शासकीय डॉ० वा० वा० पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जेल रोड, केन्द्रीय विद्यालय के पास, दुर्ग (छ.ग.)

महिला प्रकोष्ठ
(वुमेन सेल)

डॉ. रेशमा लाकेश
प्रभारी

डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी
प्राचार्य
शासकीय डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग

दिनांक : 30.09.2016

''आत्म सुरक्षा कार्यशाला संपन्न''

शासकीय डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में ''वुमेन सेल'' के तत्वाधान में 3 दिवसीय आत्म सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया।

''वुमेन सेल'' के द्वारा वर्तमान परिवेश में महिलाओं को अपनी सुरक्षा के लिए जागरूक होना होगा इन्हीं सभी तथ्यों को लेकर छात्राओं के लिए व्यक्तित्व विकास एवं कौशल विकास की दिशा में वुमेन सेल लगातार प्रयासरत है।

तीन दिवसीय कार्यशाला में नियुद्ध सेल्फ डिफेंस एण्ड एजुकेशनल सोसायटी के द्वारा कराते का प्रशिक्षण दिया गया। संस्था के मुख्य प्रशिक्षक सेंसाई शैवाल लाहिरी ने छात्राओं को आत्म सुरक्षा के लिए की जाने वाली मुख्य–मुख्य बातों की सविस्तार चर्चा की।

नियुद्ध के प्रशिक्षक ऋत्विक लाहिरी, देवाशीष घोष, कु0 यामिनी गुप्ता, कु0 मालया तथा कु0 वैष्णवी ने सभी छात्राओं को कराते के स्टेप सिखाया। छात्रसंघ अध्यक्ष कु0 रूचि शर्मा ने इस अवसर पर छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए जानकारी दी तथा अभिप्रेरित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी ने इस कार्यशाला के समापन अवसर पर कहा कि छात्राएँ अपने दैनिक चर्या में हमेशा सुरक्षा की प्रति सचेत रहे तथा लोगों को जागरूक करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवे। वूमेन सेल की प्रभारी डॉ0 अमिता सहगल ने नियुद्ध संस्था का आभार व्यक्त किया।

दिनांक : 08.11.2016

'रक्षाटीम' सुरक्षित भविष्य के लिए – सुरेशा चौबे

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वूमेन सेल के तत्वाधान में वूमेन हेल्पलाईन (रक्षाटीम) के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें एडिशनल एस0पी0 श्रीमती सुरेशा चौबे तथा मोनिका पांडे उपस्थित थी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती सुरेशा चौबे ने कहा कि हमारा यह कार्यक्रम जागरूकता के साथ ही आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक है। आज के सामाजिक परिवेश में लड़कियाँ स्वालंबी, आत्मनिर्भर एवं निडर बने यह सब चाहते है किंतु हम स्वयं 'जाने दो' कह कर हर छोटी–छोटी घटनाओं को टाल कर मुक्त हो जाते है। बाद में यह छोटी–छोटी घटनाएँ बड़ी घटना में तब्दील हो जाती है, जो घातक होती है। उन्होनें बताया कि यदि आप कुछ बर्दाश्त कर रही है तो फिर समाज में आगे कैसे बढ़ेगीं आपमें यदि हिम्मत नहीं है तो किसी की मदद या सहायता भी नहीं कर सकेगी। हमें सामाजिक परिवर्तन लाना है और यह तभी संभव है जब आप जागेंगी। हमें अब आगे आना ही होगा। इस अवसर पर श्रीमती मोनिका पाण्डे ने अपना ओजस्वी संबोधन दिया। उन्होनें रक्षाटीम की कार्यप्रणाली की विस्तार से चर्चा की तथा नये कानूनों से छात्राओं को परिचित कराया। उन्होनें लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं की चर्चा करते हुए विभिन्न रक्षात्मक उपायों पर चर्चा की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि ऐसे आयोजन काफी महत्वपूर्ण तथा प्रेरणास्पद रहते है। छात्राओं को अब हिम्मत जुटा कर ऐसी घटनाओं का प्रतिकार करने की जरूरत है छात्रसंघ अध्यक्ष कु0 रूचि शर्मा ने भी छात्राओं को होने वाली विभिन्न समस्याओं पर बोलते हुए कहा कि अब ऐसी घटनाओं को रोकने में हम एकजुट होगें तभी इससे बचा जा सकेगा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ0 रेशमा राकेश ने दिया। इस अवसर पर विभिन्न अशासकीय संगठनों के प्रतिनिधि एवं पत्रकार उपस्थित थे।

'रक्षाटीम' सुरक्षित भविष्य के लिए – सुरेशा चौबे

दिनांक : 10.11.2017

''महिलाओं के विधिक अधिकार'' पर व्याख्यान

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के वुमेन सेल द्वारा विधिक सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत भारतीय कानून एवं महिलाओं के न्यायिक अधिकार पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसके मुख्य वक्ता श्री ज्योतिन्द्रनाथ ठाकुर (सहायक महप्रबन्धक) भिलाई इस्पात संयंत्र थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी जी ने बताया कि, 'राष्ट्रीय महिला आयोग' द्वारा महिलाओं के विधिक अधिकारों पर राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं हेतु इस संबंधी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है। छात्राओं को अपने विधिक अधिकारों की जानकारी के लिये इस व्याख्यान को रखा गया है। उन्होनें कहा कि अपने अधिकार और कर्त्तव्य दोनों के प्रति सजगता आवश्यक है।

अतिथि वक्ता श्री ज्योतिन्द्रनाथ ठाकुर ने छात्राओं के सर्वप्रथम भारतीय लोकतंत्र प्रणाली, नीति, मूल अधिकारों के विषय में बताया। महिलाओं के विधि अधिकारों के अंतर्गत दहेज उन्मूलन घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर शोषण, नवजात बच्चों की देखभाल हेतु मिलने वाली सुविधा आदि का विस्तृत वर्णन करते हुये उनसे संबंधित एक्ट का भी उल्लेख किया। श्री ठाकुन ने कहा कि कानून सर्वोपरि है और उसकी दृष्टि में सब एक समान है। पावर पांइट के द्वारा प्रस्तुति के साथ ही उन्होनें छात्राओं की शंका का भी समाधान किया। छात्रसंघ अध्यक्ष सुमन कुशवाहा ने कहा कि इस व्याख्यान से छात्राओं को अपने न्यायिक अधिकारों का विस्तार से पता चला। जेण्डर चैम्पियन रूचि शर्मा ने कहा इस जानकारी से राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा निर्देशित परीक्षा में लाभ मिलेगा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर एवं आभार प्रदर्शन वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी.अग्रवाल ने किया।

दिनांक : 08.03.2019

महिला दिवस मना

बेहतर संतुलन जीवन का आधार है।

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में वूमेन सेल के तत्वाधान में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

वूमेन सेल की संयोजक डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के शुरूआत की चर्चा करते हुए सशक्तिकरण पर अपने विचार रखें। उन्होनें इस दिवस को मनाने के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए इस वर्ष की थीम 'बेहतर संतुलन' की व्याख्या की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने भी कहा कि बेहतर संतुलन ही जीवन की सफलता का मुख्य आधार है। कर्मक्षेत्र में संतुलन और व्यवहार काफी प्रभावशील होता है।

डॉ. अमिता सहगल ने कहा कि विश्वभर में महिलाओं के सम्मान की रक्षा करने और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रखने के उद्देश्य से मनाया जाना वाला आज का दिन तभी सार्थक है जब हम अपने कर्तव्यों के प्रति न्याय करते हैं।

वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन ने कविता के माध्यम से महिलाओं के गृहकार्य एवं कार्यस्थल की परेशानियों का जिक्र किया।

क्रीड़ा अधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने नारी मन की मनुहार कविता के द्वारा सशक्त नारी की तस्वीर प्रस्तुत की जिसकी सभी ने सराहना की।

डॉ. मुक्ता बाखला ने गीत प्रस्तुत किया तो नृत्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा ठाकुर ने कॉमनवेल्थ गेम में महिलाओं की उपलब्धियों व महिलाओं की जागरूक भूमिका की चर्चा की साथ ही उन्होनें ''तुम्हारी उड़ान मेरी शान'' कविता प्रस्तुत की।

डॉ. बबीता दुबे ने हिन्दी गीत और डॉ. ज्योति भरणे की मराठी कविता ''मी आई आहे'' ने खूब तालियाँ बटोरी। डॉ. मोनिया राकेश ने कामकाजी महिलाओं की पीड़ा को व्यक्त किया। छात्रसंघ अध्यक्ष कु. तब्बसुम एवं सचिव कु. आनंदिता विश्वास तथा ऋतु पाण्डेय ने भी बेहतर प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेशमा लाकेश ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. शशि कश्यप ने किया।

दिनांक : 31.08.2019

कॅरियर या विवाह – बदलती प्राथमिकताएँ

शासकीय डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में वुमेन सेल के तत्वाधान में ''कॅरियर या विवाह बदली प्राथमिकताएँ'' विषय पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर काउंसलर डॉ. शमा हमदानी ने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए कहा कि – छात्राओं को प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़कर कार्य करने को तत्पर रहना चाहिए तभी वह अपने कॅरियर को अच्छा बना सकती है। अगर आप में कुछ कर गुजरने की इच्छा हो तो किसी भी परिस्थिति में कार्य किया जा सकता है। कॅरियर का महत्व और उससे होने वाले लाभ जैसे बेहतर कॅरियर से बेहतर जीवन साथी, मान–सम्मान व आर्थिक लाभ प्राप्त होते है। वही विवाह भी सामाजिक व मानसिक आवश्यकता है। अतः दोनों ही अपने–अपने स्थान पर महत्वपूर्ण है। इस संवाद कार्यक्रम में छात्राओं ने अपने विचार रखे।

कु. शिल्पी शर्मा ने कहा कि कॅरियर अच्छा होने से जीवनसाभी भी अच्छा मिलता है। इससे मानसिक परिपक्वता आती है, परिवार व समाज में सम्मान मिलता है। कु. एक्ता कौमार्य ने बताया कि कॅरियर से हमें दूसरों पर आश्रित नहीं रहना पड़ता है तथा हम अपनी जिम्मेदारी समझने लगते है। कु. रानू ने कहा कि हर महिला सुपर वूमेन है। उसमें क्या खास है, वह खुद इसे समझे व खुद को महत्व दे यह जरूरी है।

विवाह के महत्व पर चर्चा करते हुए कु. लक्ष्मी देवांगन ने कहा कि विवाह जीवन की एक ऐसी अवस्था है जिससे सभी को गुजरना पड़ता है, विवाह से पहले अपने कॅरियर से संबंधित बातों को अपने जीवनसाथी से सांझा करना चाहिए ताकि आगे कोई समस्या न हो और ऐसा जीवन साथी चुने जो शिक्षित हो अच्छे जॉब में हो। कु. निकिता का कहना है कि जीवनसाथी समझदार होना चाहिए और पारिवारिक भूमिका के लिए मिलकर सही दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होनें कहा कि हम जो बनना चाहते है। उसके लिए समर्पण की भावना होनी चाहिए।

इस अवसर पर संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने छात्राओं के बेवाक विचारों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि – वर्तमान परिवेश में कॅरियर की जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका है जो वैवाहिक जीवन को प्रभावित भी करती है।

इस अवसर पर गृहविज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल एवं प्राध्यापक डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. सुनीता गुप्ता आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वूमेन सेल प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने किया व आभार प्रदर्शन श्रीमती ज्योति भरणे ने किया।

दिनांक : 31.08.2019

''कैम्पस टू कॉर्पोरेट थ्रू – आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस'' पर संवाद

शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वूमेन सेल के तत्वाधान में ''कैम्पस टू कॉर्पोरेट थ्रू – आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस'' पर संवाद का आयोजन किया गया।

युवाओं की अपरिमित श्रमशक्ति का राष्ट्र निर्माण में उपयोग करने के लिये रोजगार सृजन के क्षेत्र में अभी और ठोस कार्यक्रम बनाने की आवश्यकता है। बेराजगारों की बढ़ती संख्या की अनियंत्रित भीड़ बन जाने का डर हर पल एक चुनौती कर रहा है, अगले बीस वर्षों में एआई–''आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस'' हमारे काम करने का अंदाज बदल देगा। इसी बदलाव की तैयारी हेतु ''कैम्पस टू कॉर्पोरेट थ्रू – आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस'' पर संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि एआई को लेकर अनेक भ्रांतियां है, एआई के कुछ रूप काफी चतुर दिखाई देते है परन्तु यह अवास्तविक है कि एआई मानव बुद्धि की बराबरी कर सकता है। भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए युवाओं को अपडेट होना आवश्यक है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि नई स्कील सीखने से जीवन में बदलाव आयेगा और इसके लिये छात्राओं को हमेशा तैयार रहना चाहिये। इससे कॅरियर में आगे बढ़ने के लिये अवसर मिलते है।

कार्यक्रम के विषय–विशेषज्ञ श्री संजय अष्ठकार ने बताया कि अगर आने वाले वर्षों में खुद को सफल बनाना है तो समय रहते कुछ खास स्कील्स को सीख लेना चाहिये। विशेषकर मशीन लर्निंग से संबंधित, डेटा हैण्डल करने की कला, डेटा एडवाईजरी एण्ड एनालिसिस आदि। श्री सूरज सिंह ने सेल्स स्कील्स, मल्टीट्यूड स्कील्स जैसे रिलेशन बिल्डिंग, टाईम मैनेजमेन्ट, कम्यूनीकेशन स्कील्स, उत्पादन संबंधी जानकारी, डिमान्सट्रेशन एण्ड नेगोशियेसन पर विस्तृत जानकारी दी। श्री राहुल शुक्ला ने कस्टमर सक्सेस एण्ड फुल स्टेक डेवलपमेन्ट को समझाया। डॉ. ज्योति भरणे ने महाविद्यालय में लगातार छात्राओं के विकास हेतु होने वाले आयोजनों का छात्राओं का सदुपयोग करने का सुझाव एवं धन्यवाद दिया।

''कैम्पस टू कॉर्पोरेट थ्रू – आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस'' पर संवाद

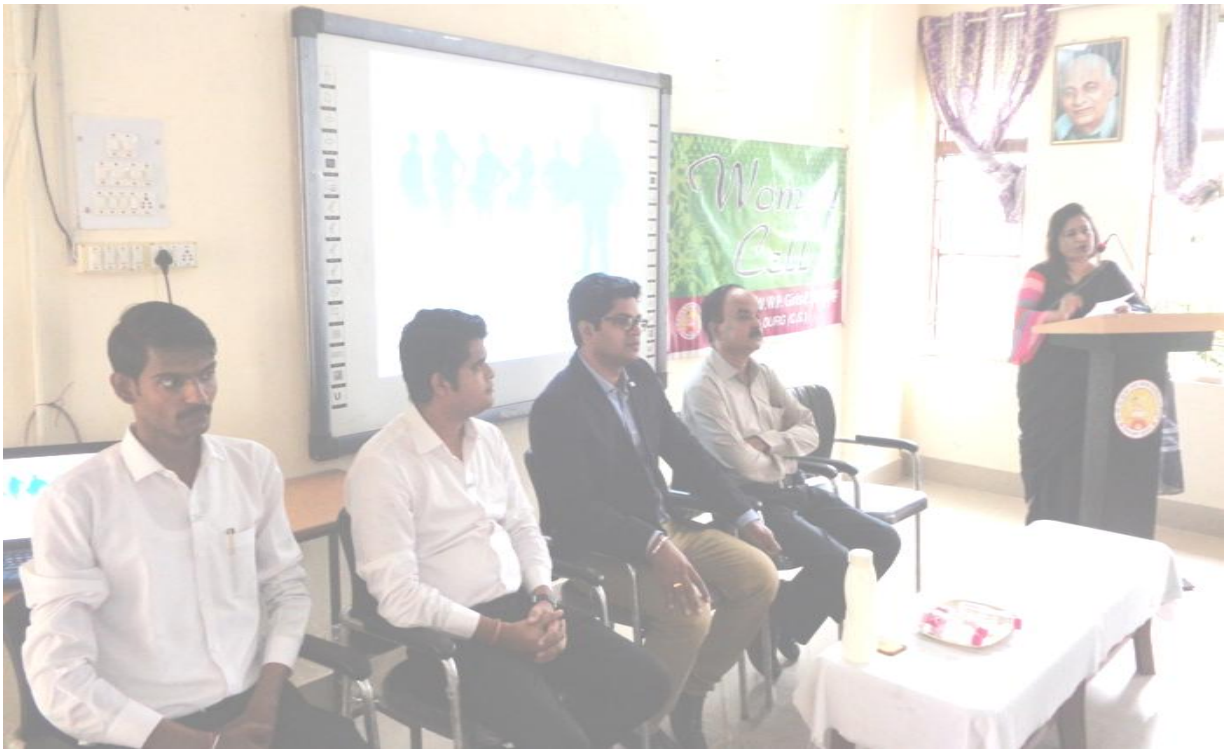

दिनांक : 03.09.2019

तीज मिलन समारोह आयोजित

शासकीय डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में तीज मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें सभी महिला प्राध्यापकों ने रंग–बिरंगे परिधान में अपनी सहभागिता दी।

महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने संचालन करते हुए बताया कि हमारा देश और हमारा प्रदेश विभिन्न सांस्कृतिक एवं पारम्परिक अवसरों का खजाना है। इन पारम्परिक त्यौहारों के जरिये हम सौहाद्र एवं आपसी सद्भाव का आदान–प्रदान करते है। महिला प्रकोष्ठ इन सभी त्योहारों को मिल–जुलकर मनाता है। इसी कड़ी में तीज मिलन समारोह का आयोजन किया गया है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे देश में तीज त्यौहार की सांस्कृतिक परम्परा चली आ रही है, खास तौर पर सुहागिनों का त्योहार तीज हमारे प्रदेश में परंपरागत रूप से मनाया जाता है। हमारे महाविद्यालय की महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम अत्यंत प्रशंसनीय है।

संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कहा कि आज का दिन लाल, पीले और हरे रंग के परिधान के साथ सोलह–श्रृंगार के साथ सुनिश्चित किया गया। आयोजन में फैशन शो (रैम्प वॉक) के साथ ही सांस्कृतिक आयोजन किये गये। डॉ. सीमा अग्रवाल ने हरलातिका तीज की कथा वृतांत एवं महत्व बताया। डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने छत्तीसगढ़ी भाषा में यहाँ की सांस्कृतिक परंपरा का वर्णन किया। इसके पश्चात् सभी महिला प्राध्यापकों ने नृत्य एवं गायन के माध्यम से अपनी खुशी को व्यक्त किया। डॉ. ऋतु दुबे ने घूमर नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. सुनीता गुप्ता ने किया।

दिनांक : 04.09.2019

स्टोन / रॉक पेन्टिंग कार्यशाला

शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में स्टोन/रॉक पेन्टिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अंचल के ख्यातिप्राप्त कलाकार श्री राजेन्द्र सिंदोरिया विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हुए। उन्होनें बताया कि वर्तमान में प्रचलित इस कला में एक्रेलिक एवं फेब्रिक रंगों का प्रयोग होता है, इस कला की विशेषता है कि इसके कोई मापदण्ड या सीमायें नहीं है, अपितु कलाकार अपनी सृजनात्मकता एवं विचारों का उपयोग कर विभिन्न आकार–प्रकार और टेक्सचर के पत्थरों का प्रयोग करता है और उन्हें सजाता है।

उक्त अवसर प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को ऐसी कार्यशाला में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपनी सृजनात्मकता एवं कल्पना को विकसित करने की प्रेरणा दी। कार्यशाला की संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि विभिन्न संकाय की छात्राओं ने इस कार्यशाला में प्रतिभागिता की एवं गृहसज्जा की इस नवीनतम एवं लेटेस्ट ट्रेण्ड को सीखा, उनहोनें बताया कि इस तरह के नवीन एवं अनूठे प्रयास महाविद्यालय लगातार करता आ रहा है, जिसे छात्रायें रोजगार के रूप में भी अपना सकती है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अमिता सहगल, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. बबीता दुबे, डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. ज्योति भरणे, डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी, डॉ. मिलिन्द अमृतफले आदि उपस्थित रहे।

STONE PAINTING
WORKSHOP

दिनांक : 14.09.2019

नानी संग गोठ का आयोजन

शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वुमेन सेल'' के तत्वाधान में ''बदलते सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों पर चर्चा हेतु नानी संग गोठ''कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में कार्यक्रम की संयोजक एवं संचालक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि आज बदलता सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्य हमारी युवा पीढ़ी को अत्यधिक प्रभावित कर रहा है। आज युवाओं की मानसिकता बदल रही है। बदलते परिवेश में आज नारी पुरूषों से कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही है। आज की नारी सशंकित नहीं सशक्त है। इन सबके बावजूद क्यों ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न हो जाती है। जब हमारा आत्मविश्वास और साहस को चुनौती मिलती है।

आज के इस आयोजन में तीन पीढ़ियों को शामिल किया गया। नानी, मम्मी और बेटी। कार्यक्रम के प्रारम्भ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं प्राध्यापकों ने सभी अतिथियों का शॉल एवं श्रीफल से सम्मान किया। वरिष्ठ महिलाओं में श्रीमती संजीवनी श्रीवास्तव, श्रीमती वनमाला झा, श्रीमती एस.एस सिद्दकी, श्रीमती मनोरमा चौहान एवं श्रीमती ऐडिना मैरी फर्नान्डीस ने हिस्सा लिया।

अपने विचार रखते हुए संजीवनी श्रीवास्तव ने कहा कि बेटियाँ घर की रौनक है। वे घर में उमंग और उत्साह लाती है। बेटियाँ मायके से संस्कार लाती है जो दो परिवार को जोड़ता है। हमारे समय में संयुक्त परिवार हुआ करते थे। जहाँ अनुशासन, त्याग और प्रेम रहता था। संस्कार ही परिवार की पहली पाठशाला है। हमारे समय में जीवन में इतनी भागदौड़ नहीं थी। एक अच्छा सामाजिक परिवेश था। पर आज मुझे यह देखकर चिन्ता होती है कि नई पीढ़ी किस तरफ जा रही है।

संगोष्ठी में हिस्सा लेते हुए एम.एससी की कु. शिल्पी ने कहा कि – पहले के समय की तुलना में आज लड़कियां अपने आपको ज्यादा असुरक्षित महसूस करती है ऐसा क्यों? इसका जवाब देते हुए संजीवनी श्रीवास्तव ने कहा कि आज के परिवेश में असुरक्षित परिधान और निरंकुशता के कारण हमें कई दफे परेशानियों को सामना करना पड़ता है।

महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. ऋचा ठाकुर ने कहा कि संस्कार पीढ़ी दर पीढ़ी आते है और हम लोग सारे सुधार की कवायद बेटियों के लिये करते है। अपेक्षाओं भी उन्हें से करते है पर बेटों को इन सबसे अलग रखते है।

श्रीमती एसएस सिद्दकी ने कहा कि चाहे लड़का हो या लड़की संस्कार तो परिवार से ही मिलता है। और परिवार में माँ से बेहतर कोई मार्गदर्शक नहीं होता। उन्होनें कहा कि आज की पीढ़ी कॅरियर के प्रति जागरूक है उसे अपने कॅरियर के साथ–साथ परिवार की भी जिम्मेदारी के लिये मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिये।

श्रीमती वनमाला झा ने भारत की प्रमुख हस्तियों श्रीमती इन्दिरा गांधी, मदर टेरेसा और किरण बेदी का जिक्र करते हुए कहा कि इनका संघर्ष कम नहीं था और आज इन्होनें हम सबके लिये एक आदर्श प्रस्तुत किया है।

गृहविज्ञान की छात्रा रानू टकरिया ने कहा कि – हमें दो जनरेशन को लेकर चलना है और आप सबका अनुभव हमारी पीढ़ी को आगे का मार्ग दिखायेगा।

इस अवसर पर श्रीमती मनोरमा चौहान, श्रीमती फर्नान्डीस ने भी छात्राओं को अपने अनुभव से परिचित कराया। छात्राओं की ओर से कु. हिमानी, कु. निकिता साहू, कु. यामिनी साहू, कु. रेशमा साहू ने अपने विचार रखे तथा नानियों से प्रश्न भी पूछे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि वुमेन सेल की यह पहल प्रसंशनीय है। जिसने तीन पीढ़ियों को चर्चा के लिये एक मंच प्रदान किया। इस चर्चा में सामाजिक परिवेश, शिक्षा और ज्ञान के साथ व्याप्त विसंगतियों को भी दूर करने के उपायों पर सारगर्भित चर्चा हुई।

संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राध्यापक, छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थी। अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. ज्योति भरणे ने किया।

Woman
Cell
Govt. Dr. W.W.P. Girls P.G. College
(C.G.)

Woman
Cell

दुर्ग, दिनांक : 07.09.2019

प्रदर्शनी एवं सेल

शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में एकदिवसीय प्रदर्शनी एवं सेल का आयोजन किया गया विभिन्न तीज त्योहारों के अवसर पर बनाये जाने वाले भारतीय व्यंजनों को प्रदर्शित एवं बिक्री की गई। विशेषज्ञ सुश्री विनू चोपडा ने छात्राओं को उक्त व्यंजनों को तैयार करने की विधि सामग्री लागत पैकजिंग, मूल्य निर्धारण, मार्केटिंग आदि विस्तृत जानकारी दी।

उक्त प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने हर्ष व्यक्त किया कि इस तरह के आयोजन छात्राओं को लघु–उद्योग एवं रोजगार की ओर प्रेरित करते है।

संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि नियमित शिक्षण के साथ–साथ अनेक गतिविधियों छात्राओं के हित में करवाई जाती है जिससे छात्राओं को अनेक जानकारियाँ प्राप्त हो सके।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अमिता सहगल, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. बबीता दुबे, डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. ज्योति भरणे, डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी, डॉ. मिलिन्द अमृतफले आदि उपस्थित रहे।